

14.5.18

पत्रवाली छात्र कोर्ट के मध्य अडावां व मं पेश हुई।
पत्रवाली का अमानपूर्वक अवलोकन किया गया। अथ
कोर्टपुरा के त्रुटि ख. न. 270 वादी की खातेदारी अथि है
प्रस्तुत वाद पत्र दिनांक 16.12.15 को दाखल किया
गया था परंतु प्रस्तुत वाद पत्र लेखी में ही विचारधीन
रहता है जिसके स्पष्ट होना है कि वादी प्रस्तुत
वाद पत्र के अति गंभीर नहीं है। लगभग तीन वर्ष
व्याप्त होने पर पर भी वादी की त्रुटि में शकल
सिद्धांतों का बल कोई शिकायत प्रस्तुत नहीं हुई है
वादी का वाद पत्र आधारहीन होने के स्वारिण
किया जाना उचित व न्यायोचित उचित होता है।

कार्रवाई

वादी का वाद पत्र आधारहीन होने के स्वारिण
किया जाता है। पत्रवाली को बल शुभार होकर 1 म्बर
के काम हो तथा दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 14.5.18 को कार्य कोर्ट
अडावां व मं सुकाना गया।

उपखण्ड अधिकारी

उदयपुरवाटी (मुन्मुनं)